भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3831

जिसका उत्तर दिनांक 11.08.2021 को दिया जाना है

नए परमाणु रिएक्टर

3831. श्री श्याम सिंह यादव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार अपनी वर्तमान की कुल स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 7 गीगावाट (जीडब्ल्यू) बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में नए परमाणु रिएक्टरों को जोड़ने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार की योजना अनेक देशों द्वारा अपने परमाणु संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने को देखते हुए अपने परमाणु संयंत्रों को भी चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की है या सरकार भविष्य में नए परमाणु रिएक्टर स्थापित करेगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) वर्तमान में 6780 MW की कुल क्षमता वाले 22 रिएक्टर प्रचालनरत हैं और एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 MW) दिनांक 10 जनवरी 2021 को ग्रिड के साथ जोड़ दिया गया है । 8000 MW की कुल क्षमता वाले दस (10) रिएक्टर, (जिसमें भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 MW पीएफबीआर शामिल है) निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और सरकार ने शीघ्रगामी प्रणाली (फ्लीट मोड) द्वारा स्थापित किए जाने के लिए 7000 MW की कुल क्षमता वाले 10 और रिएक्टरों के निर्माण हेतु प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । निर्माणाधीन और मंजूरी संस्वीकृत परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, नाभिकीय क्षमता वर्ष 2031 तक 22480 MW पहुंचने की आशा है । अधिक नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने की भी भविष्य में योजना है ।

(ग) तथा (घ) सरकार को नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । देश की बढती हुई विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नाभिकीय विद्युत क्षमता को बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है । नाभिकीय विद्युत, बड़ी संभावनाओं के चलते और स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल होने के कारण संधारणीय तरीके से देश में दीर्घ काल ऊर्जा उपलब्ध करा सकती है और चल रहे जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को समाधान करने में सहायता कर सकती है ।

* * * * *